प्रार्थना

PRAYER

Sandeep Gairola (Astt. Teacher), GPS Indrola, Bhiligana, Tehri Garhwal

www.rajteachers.com

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है,
और समस्त भारतवासी मेरे भाई–बहन हैं।
मैं भारत से प्रेम करता हूँ,
तथा इसकी उन महान परम्पराओं पर मुझे गर्व है,
जो कि इस देश की बहुमूल्य थाति हैं।
मेरा निरन्तर प्रयास होगा कि मैं इसके योग्य बन सकूँ,
मैं अपने माता–पिता गुरूजनों एवं समस्त बड़ों का,
सदैव आदर करूंगा।
तथा प्रत्येक के साथ सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूंगा।
मैं अपने देश तथा देशवासियों के प्रति,
निष्ठावान रहने की प्रतिज्ञा करता हूँ।
उनकी सुख–समृद्धि एवं कल्याण में ही,
मेरा सुख निहित है।

जय हिन्द

Sandeep Gairola (Astt. Teacher), GPS Indrola, Bhiligana, Tehri Garhwal

www.rajteachers.com

प्रार्थना

मुझको नवल उत्थान दो।
माँ सरस्वती वरदान दो।।
माँ शारदे हंसासिनी।
वागीश वीणा वादिनी।।
मुझको अगम स्वर ज्ञान दो।
माँ सरस्वती वरदान दो।।
निष्काम हो मनोकामना।
मेरी सफल हो साधना–2।।
नवगीत नव लय ताल दो।
माँ सरस्वती वरदान दो।।
मन बुद्धि हृद्य पवित्र हो।
मेरा महान चरित्र हो–2।।
विद्या विनय वरदान दो।
माँ सरस्वती वरदान दो।।
मुझको नवल उत्थान दो।
माँ सरस्वती वरदान दो।।

Sandeep Gairola (Astt. Teacher), GPS Indrola, Bhiligana, Tehri Garhwal

www.rajteachers.com

प्रार्थना (वन्दन करें माँ शारदे)

वन्दन करें माँ शारदे
विद्या का हमको ज्ञान दे
रचना नये युग की करें
ऐसा हमें वरदान दो
वन्दन करें माँ शारदे
विद्या का हमको ज्ञान दे
विद्या के इस मंदिर में हम
लिखते रहे पढ़ते रहें
एक नई सफलता का शिखर
हम हर बरस चढ़ते रहें–2
जिसकी कोई सीमा न हो
हमें ऐसा विस्तृत ज्ञान दो
वन्दन करें माँ शारदे
विद्या का हमको ज्ञान दे
संचय करे सद्गुणों का हम
बांटे सदा सद्भावना
गौरव बने हम देश का
ऐसी हमारी हो कामना–2
हो स्वर्ग से सुन्दर अधिक
हमें ऐसा हिन्दुस्तान दो
वन्दन करें माँ शारदे
विद्या का हमको ज्ञान दे

Sandeep Gairola (Astt. Teacher), GPS Indrola, Bhiligana, Tehri Garhwal

ईश वन्दना

तू ही राम है, तू रहीम है
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरू, तू ही यीशु मसीह
हर नाम में तू समा रहा
तू ही राम है, तू रहीम है।

तेरी जात–पात कुरान में
तेरी दर्श वेद पुराण में।
गुरू ग्रन्थ जी के बखान में
तू प्रकाश अपना दिखा रहा
तू ही राम है, तू रहीम है।

अरदास है कहीं कीर्तन
कहीं रामधुन कहीं आह्वान
विधि वेद का है ये सब रचन
तेरा भक्त तुझको बुला रहा
तू ही राम है, तू रहीम है।

तेरे गुण नहीं हम गा सकें
तुझे कैसे मन में ध्या सके
है दुआ यही तुझे पा सके
तेरे दर पे सिर ये झुका हुआ
तू ही राम है, तू रहीम है।

विधि वेश जाति के भेद से
हमें मुक्त कर दो परमपिता
तुझे देख पायें सभी में हम
तुझे ध्या सकें हम सभी जगह
तू ही राम है, तू रहीम है।

Sandeep Gairola (Astt. Teacher), GPS Indrola, Bhiligana, Tehri Garhwal

www.rajteachers.com

प्रार्थना

दया कर दान भक्ति का
हमें परमात्मा देना।
दया करना हमारी आत्मा में
शुद्धता देना।
हमारे ध्यान में आओ
प्रभु आंखों में बस जाओ।
अंधेरे दिल में आकर के
परम ज्योति जगा देना।
बहा दो प्रेम की गंगा
दिलों में प्रेम का सागर
हमें आपस में मिल जुल कर
प्रभु रहना सीखा देना।
हमारा धर्म हो सेवा
हमारा कर्म हो सेवा।
सदा ईमान हो सेवा
व सेवक चर बना देना।
वतन के वास्ते जीना
वतन के वास्ते मरना।
वतन पर जॉ फिदा करना
प्रभु हमको सिखा देना।
दया कर दान भक्ति का
हमें परमात्मा देना।।

Sandeep Gairola (Astt. Teacher), GPS Indrola, Bhiligana, Tehri Garhwal

www.rajteachers.com

प्रार्थना

हमको मन की शक्ति देना,
मन विजय करें।
दूसरो की जय से पहले,
खुद को जय करें।
हमको मन की शक्ति देना
भेदभाव अपने मन से साफ कर सके,
दूसरों से भूल हो तो माफ कर सकें।
झूठ से बचे रहें सच का दम भरें,
दूसरों की जय से पहले खुद को जय करें।
हमको मन की शक्ति देना।

मुश्किलें पड़े तो हम पर इतना कर्म कर
साथ दे ंतो धर्म का चलें जो धर्म पर
खुद पे हौसला रहे बदी से ना डरे,
दूसरो की जय से पहले खुद को जय करें
हमको मन की शक्ति देना,
मन विजय करें।
दूसरों की जय से पहले,
खुद को जय करें।

Sandeep Gairola (Astt. Teacher), GPS Indrola, Bhiligana, Tehri Garhwal

www.rajteachers.com

प्रार्थना (सरस्वती वन्दना)

हे शारदे मां, हे शारदे मां
अज्ञानता से हमें तार दे मां

तू स्वर की देवी ये संगीत तुझसे
हर शब्द तेरा है हर गीत तुझसे

मन से हमारे मिटा दो अंधेरा
हमको उजालों का संसार दो मां

हे शारदे मां, हे शारदे मां
अज्ञानता से हमें तार दे मां

तू श्वेत वर्णी कमल पे विराजे
हाथों में वीणा मुकुट सर पे साजे

हम हैं अकेले हम हैं अधूरे
तेरी शरण हम, हमें प्यार दे मां

हे शारदे मां, हे शारदे मां
अज्ञानता से हमें तार दे मां

Sandeep Gairola (Astt. Teacher), GPS Indrola, Bhiligana, Tehri Garhwal

www.rajteachers.com

प्रार्थना

ऐ मालिक तेरे बन्दे हम
ऐसे हो हमारे करम
नेकी पर चलें और बदी से टले
ताकि हंसते हुए निकले दम।

ये अंधेरा घना छा रहा
तेरा इंसान घबरा रहा
हो रहा बेखबर, कुछ न आता नजर
सुख का सूरज छिपा जा रहा।
है तेरी रोशनी में जो दम
तो अमावश को कर दे पूनम।

बड़ा कमजोर है आदमी,
अभी लाखों है इसमे कमी।
पर तू जो खड़ा, है दयालु बड़ा,
तेरी कृपा से धरती थमी।
दिया तूने हमे जब जन्म,
तू ही झेलेगा हम सब के गम।

जब जुल्मों का हो सामना,
तब तू ही हमें थामना।
वो बुराई करे, हम भलाई करें,
ना ही बदले की हो भावना

बढ़ उठे प्यार का हर कदम,
और मिटे बैर का ये भरम।
नेकी पर चलें और बदी से टले
ताकि हंसते हुए निकले दम।

Sandeep Gairola (Astt. Teacher), GPS Indrola, Bhiligana, Tehri Garhwal

www.rajteachers.com

प्रार्थना

जयति जय जय मां सरस्वती–2
जयति जय जय मां सरस्वती

हर अंधेरा कर सवेरा–2
बुद्धिदायिनी दे विमल मति
जयति जय जय मां सरस्वती

एक कर में स्फटिक माला
एक कर पुस्तक विशाला–2

वाणी वीणा छेड़ दे
जग को मिले नूतन प्रगति
जयति जय जय मां सरस्वती

विशुद्ध गाये रात दिन कवि
सत्य शिव सुन्दर सहित छवि–2

ज्ञान दे विज्ञान रूपी
क्लावंतो की कलानिधि
जयति जय जय मां सरस्वती

Sandeep Gairola (Astt. Teacher), GPS Indrola, Bhiligana, Tehri Garhwal

www.rajteachers.com

समूह गान

गीत गा रहें हैं आज हम
रागिनी को ढूढ़ते हुए
आ गये यहां जवां कदम
मंजिलों को ढूढ़ते हुए
इन दिलों में ये उमंग है
कि जहां नया बसायेगें
जिंदगी का दौर आज से
दोस्तों को हम सिखायेगें
फूल हम नया खिलायेगें
तजगी को ढूढ़ते हुये
दहेज का बुरा रिवाज है
आज देश में समाज में
है तबाह आज आदमी
लूट पर टिके समाज में
हम समाज भी बनायेगे
आदमी को ढूढ़ते हुये
फिर न रो सके कोई दुल्हन
जोर जुल्म का न हो निशां
मुस्करा उठे धरा गगन
हम रचेगें ऐसी दास्तान
हम वतन को यूं सजायेगे
रोशनी को ढूंढ़ते हुए
गीत गा रहे हैं आज हम

Sandeep Gairola (Astt. Teacher), GPS Indrola, Bhiligana, Tehri Garhwal

www.rajteachers.com

समूह गान

बदली में चमकेगा मंजिल का तारा
तूफां में हमको मिलेगा किनारा
आगे ही आगे कदम को बढ़ाना
बदलते जमाने का हमको इशारा
बदली में चमकेगा मंजिल का तारा

भूख और गरीबी ये बढ़ती बेगारी
करने की हो दूर कोशिश हमारी–2
अगर देशवासी ये मेहनत करें तो
उगलेगी सोना ये धरती हमारी
बदली में चमकेगा मंजिल का तारा

अपने ही हाथों से अपनी हो तकदीर
अपने सुनहरे ख्वाबों की तस्वीर–2
खुद ही बनायेगें हाथों से अपने
सबसे निराली ये भारत की तस्वीर
बदली में चमकेगा मंजिल का तारा

Sandeep Gairola (Astt. Teacher), GPS Indrola, Bhiligana, Tehri Garhwal

www.rajteachers.com

देशगान

सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा–हमारा
सारे जहां से अच्छा
हम बुलबुले हैं इसकी ये गुलिस्तां हमारा–हमारा
सारे जहां से अच्छा

पर्वत वो सबसे ऊंचा हमसाया आसमां का–2
वो संतरी हमारा वो पासवां हमारा–2
सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा–हमारा

गोदी में खेलती हैं जिसकी हजारों नदियां–2
गुलशन है जिसके दम से रसके जीना हमारा–2
सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा–हमारा

मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना
हिन्दी है हम–3 हिन्दोस्तां हमारा–हमारा
सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा–हमारा

कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी–2
सदियों रहा है दुश्मन दौरे जहां हमारा–हमारा
सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा–हमारा

Sandeep Gairola (Astt. Teacher), GPS Indrola, Bhiligana, Tehri Garhwal

www.rajteachers.com

देशगान

हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं
रंग रूप वेश भाषा चाहे अनेक है–2

बेला, गुलाब, जूही, चम्पा, चमेली–2
प्यारे–प्यारे फूल गूंथे, माला में एक हैं–2
हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं

गंगा यमुना ब्रहमपुत्र कृष्णा कावेरी–2
जा के मिल रही सागर में, हुयी सब एक है–2
हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं

कोयल की कूक प्यारी पपीहे की टेर न्यारी–2
गा रही तराना बुलबुल राग मगर एक है–2
हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं

धर्म हैं अनेक जिनका सार वही है–2
पंथ हैं निराले सबके मंजिल तो एक है–2
हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं

Sandeep Gairola (Astt. Teacher), GPS Indrola, Bhiligana, Tehri Garhwal

www.rajteachers.com

समूह गान

हम बच्चे तो हैं मगर कल की हम आवाज हैं।
आसमान की ऊंचाई छूने को हम बेताब हैं।
आज हम फूल हैं कल कांटो से भी होंगे तेज
दुश्मन की हर साजिश हर वार को हम देंगे भेद
देश की सेवा है पहले बाकी है काम बाद के
आसमान की ऊंचाई छूने को हम बेताब हैं।

हौसलों से भरे हुये, सीनो में एक आग है।
जो भी टकरायेगें हमसे समझो वो बरबाद है।
वीरों के ऐसे जज्बातों से ही देश आजाद है।
आसमान की ऊंचाई छूने को हम बेताब हैं।

कल का सूरज लायेगा, एक देखो नया सवेरा
हम बच्चे बनायेगें जब कल एक नया बसेरा
भूख गरीबी रह जायेगी जैसे पुरानी बात है।
आसमान की ऊंचाई छूने को हम बेताब हैं।

Sandeep Gairola (Astt. Teacher), GPS Indrola, Bhiligana, Tehri Garhwal

www.rajteachers.com

समूह गान

कि जैसे चांद आकर चांदनी के फूल बरसाता
कि जैसे मेघ आ सबके घड़ो में नीर भर जाता
करें वैसे ही मेहनत हम संवारे रूप भारत का
संवारे रूप भारत का।

कि जैसे भोर का सूरज धरा में रंग भर जाता
कि जैसे फूल खिलकर के हवा में गंध भर जाता
करें वैसे ही मेहनत हम संवारे रूप भारत का
संवारे रूप भारत का।

कि जैसे खेत में फसलों का दाना लहलहाता है
कि जैसे काम कर मजदूर गाना गुनगुनाता है
करें वैसे ही मेहनत हम संवारे रूप भारत का
संवारे रूप भारत का।

कड़ी मेहनत से ही इंसान का चेहरा चमकता है
कि सोना आग में तपकर ही कुदंन सा दमकता है
करें वैसे ही मेहनत हम संवारे रूप भारत का
संवारे रूप भारत का।

Sandeep Gairola (Astt. Teacher), GPS Indrola, Bhiligana, Tehri Garhwal

www.rajteachers.com